हिन्दुस्तान

प्राकृतिक संसाधनों के अधिक दोहन से पड़ रही भीषण गर्मी

सभी प्रखंड और पंचायत स्तर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुआ सम्मेलन

बक्सर, हिन्दुस्तान प्रतिनिधि। जिले के सभी प्रखंड व पंचायत स्तर पर मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जैव विविधता प्रबन्ध समितियों का सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में क्षेत्र में पाए जाने वाले जैव संसाधनों के संरक्षण, संवहनीय उपयोग तथा उनके वाणिज्यिक उपयोग को विनियमित करने संबंधित विषयों पर प्रकाश डाला गया।

साथ ही पंचायत, प्रखण्ड और जिला स्तर पर गठित समितियों को सुदृढ़ करने और उनकी जैव विविधता संरक्षण में सहभागिता सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में चर्चा की गई। रेंजर का कहना है कि इस

- जैव विविधता प्रबंध समितियों के प्रतिनिधि हुए शामिल
- कहा-नदी, तालाब और चौर को रखें सुरक्षित

दौरान मंत्री ने बताया कि जैव विविधता के अधिक दोहन से वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। जिसकी वजह अत्यधिक गर्मी और सुखाड़ की समस्या उत्पन्न हो रही है। इससे बचने व संरक्षण के लिए सभी को मिलकर अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाते हुए सुरक्षित करना है। साथ ही आसपास के नदी, तालाब, आर्द्रभूमि व चौर को सुरक्षित रखना है। ताकि प्रकृति का संतुलन बना रहें। इससे पहले राज्य के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डॉ. प्रेम कुमार की अध्यक्षता में जिले के सभी जैव विविधता समितियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की गई। इस कार्यक्रम में मंत्री द्वारा ग्राम पंचायतों, प्रखण्ड पंचायत समिति और जिला पर्षद में गठित 'जैव विविधता प्रबन्धन समितियों को सम्बोधित किया गया।

जैव विविधता प्रबन्धन समितियों का उन्मुखीकरण

प्रथम सम्मेलन में राज्य के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री द्वारा प्रेरणादायक सम्बोधन के माध्यम से जैव विविधता प्रबन्धन समितियों का उन्मुखीकरण किया गया। ताकि वे सक्रियता से अपने क्षेत्र में जैव विविधता संरक्षण के क्रिया-कलापों में सहभागी बन सकें। जिला मुख्यालय से वीडियो कान्फ्रेंसिंग में वनों के क्षेत्र पदाधिकारी शिवनंदन चौधरी, नीतीश कुमार, सारिका कुमारी, कुमार सौरभ व अन्य लोग शामिल हुए। साथ ही जिले के अलग-अलग प्रखंडों में भी बीडीओ कार्यालयों से प्रखण्ड के जैव विविधता प्रबंधन समिति के सदस्य एवं सचिव के साथ वन विभाग के वनरक्षी भी वीडियों कान्फ्रेंसिंग में शामिल हुए।